3, 8708. Habiv. 4470. R. 1, 1, 22. 3, 53, 6. Mrkeh. 107, 15. Vike. 41. Ragh. 2,64. 8,12. 9,81. KATHAS. 25,144. 55,170. BHAG. P. 4, 9, 31. MARK. P. 16,70. Pankar. 251,15. Çuk. in LA. (III) 37,7. Vet. ebend. 24,2. वरं या-चितवत्यिस R. Gorr. 2,37,16. याचिला जलम् Катная. 25,202. भाग्या-यत्तमतः परं न खल् ततस्त्रीबन्ध्भिर्याच्यते Çak. 92, v. 1. याचित erbeten, gefordert AK. 2,9,3. H. 866. Jićn. 2,67 (so v. a. geborgt; vgl. याचितक). 238. R. 1,33,12. Spr. 1373. 2648. Kumāras. 4,17. Kathās. 27,162. 32, 157. Pankat. 182,13. श्रयाचित AK. 2,9,3. H. 866. M. 4,5. 11,211. Jaén. 1,215. Внас. Р. 7,11,19. श्रयाचे भृगुशाह्रलम् МВн. 5,7063. 7,2106. मा च याचिष्म कं च न 12,1014. 15,291. R. 1,1,35. याचे ऽद्य वः सर्वान् MBs. 15,300. R. 1,57,18. 2,106,33. Месн. 5. Spr. 514. Катная. 22,19. राघन याच्य शिरसा R. 6, 33, 37. पुनर्न रे। याचित याच्यते च Spr. 4550. KATHÅS. 54,154. पाच्यमान MBs. 1,6129. 5,5993. 7396. R. 2,45,4. पाचित gebeten M. 4,228. Jaén. 1,203. 2,256. R. 1,46,15. 2,45,27. 90,19. शिरसा या-चित्रो मया 101,13. Malay. 55. Megh. 112. Kumaras. 4,35. Kateas. 12, 140. Bhag. P. 4, 3, 14. 6, 9, 53. Mark. P. 61, 61. Pankat. 169, 8. IV, 7. म्रतियाचित Spr. 1939. ते। वरे। याच भर्तारम् R. Gorr. 2,8,17. 5,56,106. याचेतमान्वरान्पितृन् M. 3, 258. MBH. 1,3961. R. 1,63,5. 2,107,5. 111, 25. R. GORR. 1, 1, 25. RAGH. 12, 17. KUMARAS. 7, 52. Spr. 444. KATHAS. 1, 31. 22, 67. 183. 27, 111. 32, 59. 46, 226. 228. 56, 97. 174. 101, 265. Rida-Тав. 3, 422. 6, 36. Вийс. Р. 4, 9, 34. Внатт. 6, 8. 7, 11. बालानिमान्वस् याचित्रम् MBu. 14,50. नित्तेपं याच्यमानः M. 8,181. भाजनं राजा स कदा-चिद्याच्यत Riga-Tar. 1,162. Pangar. 212,15. श्रयाचि संभागम् Vop. 24, 13. याचितस्ते पिता राज्यं रामस्य च विवासनम् R. 2,72,48. Ragu. 11,1. Kumars. 6, 27. Kathas. 4, 103. 14, 64. 27, 142. Bhag. P. 9, 15, 9. Hit. 64, 19. Die Person steht häufig auch im abl., seltener im gen.: पञ्चासद्वये धनं ब्राह्मणाः कदाचित्र श्रद्धाखाचेत् Kull. 2u M. 11,24. याचमानाः पराद-ЯЧ МВн. 1,6197. Катийя. 8,31. 36,44. 63,159. 113,38. Вийс. Р. 8,15,1. नन्दाब्याचित् गुरुद्विणाम् Karnas. ४,७४. २७,११०. कुता ४पि नीरं याचिता Рамкат. 174, 14. केनाम्भा याचितं भूपात् Катиль. 25, 137. राजस्तस्य कदा-चित्त व्रजतो विजयेश्वरम् । ययाचे काचिद्वला भाजनम् RAGA-TAB. 1, 131. Die Sache in comp. mit स्रर्थे (स्रर्थम्): शच्यर्थे (शच्यर्थे ed. Bomb.) महेन्द्रेपा याचितः MBn. 5, 2198. मातार्थे तव याचितः R. 6, 10, 27. im acc. mit प्रतिः तं स याचते गमनं प्रति 2,29,21. प्रसूतिं प्रति याचितः Кыязыз. 6,27. im dat.: त्रतसंपार्नाय मया निपुणिकामुखेन पूर्वे याचितो मङ्ग्राजः VIKA. 37, 7. 8. तं प्रयाचे अभ्यवकाराय er forderte ihn auf zu essen Buig. P. 9,4, 36. तेन तहत्पादनाय याचितः Sis. zu R.V. 1,125,1. कन्यां याच् um ein Mädchen werben, ein Mädchen zur Ehe verlangen von Jmd (abl., seltener acc.) für Jind (कृति, श्रय) Kathâs. 17, 75. 52,94. 55,86. 90. 105,22 (विवाकार्यम्). Butc. P. 9, 6, 40. 15, 5. यन्मे कन्या स्वकन्यार्थे मोक्षाया-चितवानिस MBn. 5,7432. याचित् तां च कन्यां स तित्पतुः — श्रयोध्यां प्राक्तिगोद्दतम् Катиль. 9, 37. स्वपुत्रगुक्तेनस्य कृते 13,69. 14,78. 32,115. 56, 84. 66, 81. 88, 8. 104, 63. म्रयाच्यमाना च विर: Sav. 1, 28. Катиль. 52, 400. याचिता 401. 35 (पित्:). Ver. in LA. (III) 16,10. तित्पतरं सूषेणं ता-मयाचत Катиль. 28, 83. पिता मे याच्यताम् 82. तां सूतां याच्यतां तावत् 112,173. — 2) Jmd (dat.) Etwas (acc.) anbieten: ऋस्पे देवतीया उदकं पा-चामि AV.15,13,8.9,6,4.48. याचित वित्तं ग्रुवे शिष्य: Durgad. bei West. - 3) vielleicht so v. a. versprechen AV. 6,118,3. 119,3. 7,57,1.

-- caus. याचयति, श्रययाचत् P. 7,4,2. werben lassen: याचयति पर्-स्परम् MBH. 13,2438. याचयिता Pankar. 25,15 foblerbaft für याचिता.

- desid. यियाचिषते; vgl. oben u. simpl. Z. 5.
- ञूतु Jmd (acc.) in Bezug auf Etwas anslehen, act. МВн. 10, 611. R. Gorr. 2,120, 20. med. Катийз. 92, 48.
 - प्रत्यन Jmd (acc.) anflehen, act. R. 2,103,11.
- ऋषि, caus. wofern ऋषि zum Verbum zu ziehen ist, etwa nicht haben wollen, verwerfen: ऋष्यंस्य पुत्रान्यात्रीश्चाद्य याचर्यते बुक्स्पति: AV.12,4,38.
- म्रिमे slehen, heischen, anslehen, bittend angehen (mit dopp. acc.): मिपाचते (dat. partic.) Buåg. P. 5,18,6. Miak. P. 38,20. शिर्सा लिभ्याचे ऽ हं कुरुष करणां मिप R. 2,106, 29. रामस्यैवाभियाचते यावराज्ये ऽभिषचनम् R. Gobb. 2,1,40. पितरं ना ऽभियाच 1,33,27. 5,27,30. सगरं चाभ्यपाचत सर्वे प्राञ्जलयः स्थिताः MBu. 3,8890. 10586. R. 1,14,6. 9. 7, 46,18. Buåg. P. 3,22,13. मिपाचितः angesteht, gebeten Spr. 4717. Buåg. P. 3,2,23. यदेनं कश्चिद्वाल्याः कंचिद्वानियाचेत् MBu. 1,679. Miak. P. 72,20. राज्यं राज्ञाभियाचितः R. Gobb. 2,17,19. Buåg. P. 5,3,17. Vgl. मिपाचन.
 - समिभ anflehen: कांसे समिभयाचती HARIY. 3336.
- म्रा flehen: म्रापाचली R. 2,53,25. flehen um: म्रापाचनानाम् रा-मस्य च भवं नित्यमभवं रावणस्य च 5,21,22. म्रापाचित n. Gebet R. Gorn. 2,1,40.
- उप им Etwas bitten: त्वया पुरस्ताउपयाचिता यः से ऽयं аट: RAGH. 13, 53. भित्तालहमीसमृद्धानां किमन्यउपयाचितम् (subst.) Sarvadarçanas. 92, 8. fg. नगरद्वारत्ताष्ट्रस्य यद्वतस्याउपयाचितम् Varán. Вņu. S. 2, 19. — Vgl. उपयाचन, उपयाचित (vgl. noch Katuâs. 11, 13. Pańkat. 213, 14).
- निम् losbitten, sich ansbitten: निर्याचेन्यूनात्पुर्भूषं यमायं AV. 6, 133, 3. TS. 3, 1, 9, 2. एष ते मूझ भागा यं निर्याचया: 9, 4. 5, 1, 2, 4. यममूल दे-व्यक्तनमृत्ये निर्याच्यात्मने अग्निं चिनुते nachdem er bei Jama einen Fleck der Erde zur Cultusstätte sich auserbeten hatte 2, 2, 1.
- प्र stehen, bitten um, heischen, unstehen, bittend angehen (mit dopp. acc.): प्रसीद् न: प्रयाचताम् (gen. pl. partic.) MBu. 1.1259. 12, 9213. 13, 4629. प्रयाचिष्य 3,7114. वर्मन्यं प्रयाचसे 7,441. R. 2,45,31. कुएउले में प्रयाचितुम् MBu. 3,16948. प्रयाचस्व नदीम् 9950. स पारिजातं यदि न प्रदास्यति प्रयाच्यमाना भवता Hamv. 7210. युक्तास्तेन प्रयाचितुम् R. 5,81, 42. प्रयाचामा वरं लाम् MBu. 3,8780. st. प्रयाचत 13,114 liest die ed. Bomb. besser म्रयाचत. Vgl. प्रयाचक fg.
 - संप्र dass.: तं गता सङ्ताः सर्वे वरं वै संप्रयाचत MBu. 3,8696.
- सम् dass., med. Katuls. 103,16. तं पुत्रार्धे समयाचत MBu. 1,8837. Bulg. P. 9,1,14. गरुमेधिनं समयाचेर्न् 10,72,17.

पाचन (von पाच) nom. ag. ein Bittender, Bettler AK. 3, 1, 49. Taik. 2,8,56. H. 387. Halâj. 2, 204. Jâéń. 3,139. MBu. 1, 2330. 2, 493. R. 7, 92,11. Spr. 80. 1048. 1301, v. l. 4937. Katuâs. 38,35. 39. 58,24. Verz. d. Oxf. H. 123,a,21. 163,a,1. Buâg. P. 4,2,26. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 9, Çl. 33. श्र्याचन: सदा योगो MBu. 12,342. पाचनी f. Bettlerin 1,3289.

पाचन (wie oben) 1) n. das Bitten, Betteln: भ्रातं याचनतत्परेगा मन-सा Spr. 2079. स्रनेन पविकस्य वसतियाचनं प्रतीयते das Bitten um Sâu. D. 332, 11. das Werben um: इत्तितृ Ver. in LA. (III) 16, 9. — 2) f.